पुस्तक मेला: काशी के अनदेखे पहलुओं को खोलती किताब 'देखो हमरी काशी'

कुमार विश्वास ने कहा, अन्य भाषाओं में हो पुस्तक का अनुवाद

नई दिल्ली, 1 मार्च (नवोदय टाइम्स) : नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में प्रभात प्रकाशन द्वारा लेखक मंच पर प्रसिद्ध लेखक और पत्रकार हेमंत शर्मा की पुस्तक देखो हमरी काशी पर चर्चा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विख्यात कवि डॉ. कुमार विश्वास, वक्ता ईशानी शर्मा, प्रभात प्रकाशन के निदेशक प्रभात कुमार और पीयूष कुमार मौजूद थे। हेमंत शर्मा ने कहा की बकौल लेखक जानने और जीने में फर्क होता है और इसी फर्क को समझाने का काम यह किताब करती है। कुमार विश्वास ने कहा, इस पुस्तक का अंग्रेजी सहित अन्य भाषाओं में भी अनुवाद किया जाना चाहिए, ताकि ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोग काशी के बारे में जान सकें। इसके अलावा प्रभात प्रकाशन के स्टॉल पर लेखक प्रियंक कानूनगो और दीपक उपाध्याय की पुस्तक पिंजरा: द केज पर भी चर्चा का आयोजन किया गया। यह किताब बाल गृहों पर सरकारी एजेंसियों के विचारों को लघु कहानियों के रूप में व्यक्त करती है।

परिचित कराएगा। शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने बुधवार को पुस्तक मेले में थीम मंडप में इंडिया@75 शृंखला के अंतर्गत राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत से प्रकाशित मनोज कुमार मिश्र की पुस्तक 'नानाजी देशमुख एक महामानव' और धनंजय चोपड़ा की पुस्तक 'गणेशशंकर विद्यार्थी' का विमोचन करते हुए कहीं। थीम पवेलियन के अगले सत्र प्राइम टाइम टॉक में उदय माहुरकर, केंद्रीय सूचना आयुक्त, भारत सरकार ने अपनी नवीनतम पुस्तक 'वीर सावरकर : ए मैन हू कुड हैव प्रीवेंटेड पार्टीशन के बारे में बात की। बाल मंडप अपने विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों के साथ बच्चों और अभिभावकों के बीच लोकप्रिय रहा है। शिवानी कनोडिया के साथ एक स्टोरीटेलिंग सत्र में, बच्चों ने गीतों के माध्यम से बन बन गेंदे की कहानी सुनी।

तुम्हारी औकात क्या है किताब पर चर्चा

राजकमल प्रकाशन के जलसाघर में कई पुस्तकों पर बातचीत हुई और नई पुस्तकों का लोकार्पण हुआ। जलसाघर में बुधवार को पीयूष मिश्रा के आत्मकथात्मक उपन्यास तुम्हारी औकात क्या है पीयूष मिश्रा पर सायमा ने उनसे बातचीत की। वहीं त्रिलोकनाथ पांडेय की नई पुस्तक महाब्राह्मण, राहुल हेमराज की आप जैसा कोई नहीं, सुजाता की पंडिता रमाबाई और राजगोपाल सिंह वर्मा की किंगमेकर्स का लोकार्पण हुआ। पीयूष मिश्रा के आत्मकथात्मक उपन्यास तुम्हारी औकात क्या है पीयूष मिश्रा पर सायमा ने उनसे बातचीत की। पीयूष मिश्रा ने कहा कि मैं अंदर से बहुत भर गया था और उसे बाहर निकालना चाहता था तो सारी चीजें किताब में उतार ली और अब मैं हल्का महसूस कर रहा हूं।

शिक्षकों की क्षमता निर्माण पर परिचर्चा

निपुन मिशन द्वारा घर में बच्चों के पढ़ने की आदतों में बदलते पैटर्न के बीच की खाई को पाटने में कोविड-19 महामारी के बाद शिक्षकों और अभिभावकों के क्षमता निर्माण पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया, जिसमें नागेंद्र गोयल, प्रज्ञा मजुमदार और थॉमस एंटनी शामिल थे। ऑथर्स कॉर्नर पर प्रकाशन विभाग (सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव संबंधी एक परिचर्चा सत्र के साथ व्यास मणि त्रिपाठी की 'भारतीय स्वाधीनता संग्राम और अंडमान' व राजेंद्र भट्ट की 'पूरा है विश्वास' पुस्तक का विमोचन किया गया। लेखक मंच पर मनीष शुक्ल के प्रथम कविता-संग्रह 'निलंबित मौन के स्वर', रश्मि कौशल की 'मैं प्रेम हूं, संगीता की पुस्तक 'भारतीय अध्यात्म एवं ध्यान; वर्तमान संदर्भ में' पुस्तकों का विमोचन चंद्रभूषण सिंह के संचालन में हुआ। इस अवसर पर साध्वी प्रज्ञा भारती, शिवशक्ति बक्शी, विभूति मिश्र, उमेश शर्मा, राखी बक्शी आदि वक्ता भी उपस्थित थे।

देशवासियों को भारत की स्वतंत्रता यात्रा से फिर से जोड़ रहा है पुस्तक मेला

देशवासियों को हमारे गुमनाम नायकों की कहानियों से फिर से

कर्मयोद्धा जय करण पुस्तक का विमोचन करते केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी।

बिजनेस की नई किताब उद्योग 4.0 का लोकार्पण

वाणी प्रकाशन ग्रुप के 'साहित्य घर उत्सव' में आज कई पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। वरिष्ठ कथाकार मृदुला गर्ग की पुस्तक 'वे नायाब औरतें' कथाकार, समीक्षक, अनुवादक, और सम्पादक डॉ. सीतामणी वैश्य का वाणी प्रकाशन ग्रुप द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'रुक्मिणी – हरण नाट', लेखक डॉ. सुनील कुमार शर्मा की उद्योग के इतिहास पर आधारित पुस्तक 'उद्योग 4.0', वरिष्ठ कवि बरमेश्वर राय का काव्य संग्रह 'बातें तेरी भी मेरी भी', उपन्यासकार अणुशक्ति सिंह का उपन्यास 'शर्मिष्ठा कुरु वंश की आदि विद्रोहिणी', और पत्रकार और लेखक जयंती रंगनाथन द्वारा सम्पादित पुस्तक 'कामुकता का उत्सव प्रणय, वासना और आनंद की कहानियां' का लोकार्पण हुआ। कठगुलाब, चितकोबरा, मैं और मैं, आदि रचनाओं को लिखने वाली मृदुला गर्ग का वाणी प्रकाशन ग्रुप द्वारा प्रकाशित संस्मरण 'वे नायाब औरतें' का लोकार्पण व परिचर्चा 'साहित्यघर' में किया गया।